Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJIF 2016 = 4.44, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.48612, AUG-SEPT 2017, VOL- 4/23

टीचिंग इंटर्नशिप: खुद को परखने का एक मौका

सुमित्रा, Ph. D.
सहायक प्रोफेसर, जे जी शिक्षा महाविद्यालय, सिरसा

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

अन्य सभी व्यावसायिक कार्यक्रमों की तरह, क्षेत्रीय जुड़ाव किसी भी कार्यक्रम का एक अनिवार्य घटक है शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के मामले में, क्षेत्रीय जुड़ाव स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के साथ जुड़ाव शामिल है। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम। के साथ निरंतर जुड़ाव समय की अवधि में स्कूल को 'स्कूल इंटर्नशिप' के रूप में जाना जाता है जो भावी छात्रों को शिक्षक पेशेवर समझ, दक्षताओं और कौशल के प्रदर्शनों की सूची बनाने के लिए, और स्कूली शिक्षा और शिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण लैस करता है । वास्तव में, यह शिक्षक शिक्षा का यह घटक है पाठ्यचर्या जो कला में शिक्षार्थी होने से छात्र-शिक्षकों के परिवर्तन की सुविधा प्रदान करता है

और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित शिक्षकों को शिक्षण का विज्ञान वास्तविक स्कूल सेटिंग्स में शिक्षक। वर्तमान शैक्षिक प्रवचन आत्म-शिक्षा, आत्म-ज्ञान और शिक्षण और सीखने के लिए रचनावादी दृष्टिकोण की अवधारणाओं के आसपास केंद्रित है, जिसका अर्थ छात्रों से है। केवल ज्ञान प्राप्त करने वाले बनने के लिए स्नातक होने की सुविधा की आवश्यकता है आत्मसात करने वाले और ज्ञान के जनरेटर। इंटर्नशिप कार्यक्रम एक अवसर प्रदान करता है भावी शिक्षकों को शैक्षिक सिद्धांत और शैक्षणिक अवधारणाओं को उनके साथ जोड़ने के लिए एक ओर अभ्यास, और दूसरी ओर सैद्धांतिक प्रस्तावों की वैधता का परीक्षण करने के लिए वास्तविक स्कूल सेटिंग्स।

इंटर्नशिप क्या है/ इंटर्नशिप प्रशिक्षण क्या है?

इंटर्नशिप है:

- एक छात्र के कैरियर लक्ष्य से संबंधित एक संरचित कार्य अनुभव
- एक ऐसा अनुभव जो एक छात्र के शैक्षणिक, करियर और व्यक्तिगत विकास क्षेत्र में एक पेशेवर द्वारा पर्यवेक्षित होता है।
- एक अनुभव जो एक अकादमिक सत्र या लंबाई में कई शैक्षणिक सत्रों का हो सकता है, जोकि भुगतान किया गया या अवैतनिक, अंशकालिक या पूर्णकालिक भी हो सकता है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

● ऐसा अनुभव जिस पर छात्र, पर्यवेक्षक परस्पर सहमत हों ।

● क्रेडिट घंटे या अकादमिक इंटर्नशिप पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण आवश्यकताओं को पूरा करता हो।

● यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इंटर्नशिप के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए पद की आवश्यकता नहीं है "इंटर्नशिप" लेबल किया जा सकता है। कई अंशकालिक नौकरियां, स्वयंसेवी अवसर, या यहां तक कि ग्रीष्मकालीन नौकरियां इंटर्नशिप के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकती हैं।

इंटर्नशिप एक तरह का लिमिटेड टाइम पीरियड है जिसमे कोई भी आर्गेनाइजेशन में हम काम करते हैं. पहले ये मेडिकल स्नातक के छात्रों के लिए हुआ करता था लेकिन अब ये सभी प्रकार के प्रोफेशनल कोर्स में जरुरी कर दिया गया है. इसमें आखिरी के वर्ष में स्नातक के छात्रों को किसी आर्गेनाइजेशन में जा के (जो उनके प्रोफेशनल कोर्स से जुडी हो) उनमे कुछ लिमिटेड समय के लिए काम कर के एक्सपीरियंस लेना होता है. वहां ये सीखना होता है की काम कैसे करना है आर्गेनाइजेशन में, केसा माहौल होना चाहिए आर्गेनाइजेशन का आदि. जिसे पूरा करने के बाद कॉलेज में आखिर में उसकी थीसिस भी जमा करानी होती है जो सुनिक्षित करता है की आपका काम और एक्सपीरियंस कैसा रहा इंटर्नशिप के दौरान।

इंटर्नशिप का मतलब क्या है?

इंटर्नशिप यदि सभी प्रकार के करियर कोर्स से जोड़ के देखे तो सभी में कुछ समानताएं होती है. लेकिन उनमे कोर्स के अनुसार काफी भिन्नता भी होती है. समानता ये होती है की सभी को किसी न किसी आर्गेनाइजेशन में फाइनल ईयर में जाके इंटर्नशिप करनी होती है चाहे वो मेडिकल का छात्र हो, या इंजीनियर, या कोई बिज़नेस से जुड़े कोर्स का. और असमानता ये हैं की सभी आर्गेनाइजेशन में कार्य अलग अलग तरह का होता है और छात्र को अपनी शिक्षा और कोर्स के अनुसार ही आर्गेनाइजेशन का चयन करना होता है. जैसे की: मेडिकल का छात्र हॉस्पिटल में इंटर्नशिप करता है. इंजीनियर अपनी ट्रेड के अकॉर्डिंग अपनी कम्पनी चुनता है. एक फार्मेसी का छात्र कोई ऐसी दवाइयां बनाने वाली कंपनी में इंटरशिप करेगा जहाँ उसे दवाइयों से जुडी जानकारी मिले. एक होटल मैनेजमेंट का छात्र किसी होटल में अपनी इंटर्नशिप पूरा करेगा और कोई MBA का छात्र की किसी कम्पनी में एक्सपीरियंस लेगा व वहीं एक छात्राध्यापक किसी विद्यालय में ये अनुभव प्राप्त करेगा।

इंटर्नशिप के प्रकार

इंटर्नशिप कई प्रकार की होती है ये किसी भी कम्पनी या उसके मैनेजमेंट पे निर्भर करती है. इंटर्नशिप पेड भी हो सकती है और अनपेड भी, या हो सकता है उसमे स्टिपेन्ड मिले, फुल टाइम हो या हाफ टाइम, या वो छात्र के स्केडुल के अनुसार हो, ज्यादातर इंटर्नशिप एक से लेके चार महीने तक की

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

होती है और ये चीज जरूरत के अनुसार बदल भी सकती है, ये बढ़ भी सकती है और कम भी हो सकती है।

पेड इंटर्नशिप

पेड इंटर्नशिप में कुछ प्रोफेशनल फील्ड शामिल होती हैं जैसे की मेडिसिन, आर्किटेक्चर, साइंस, इंजीनियरिंग, लॉ, बिज़नेस, टेक्नोलॉजी और एडवरटाइजिंग से जुडी. इसमें आपका एक्सपीरियंस सेकंड और थर्ड ईयर में माँगा जाता है जब आप अपने कॉलेज में अपनी स्नातक पूरी कर रहे होते हैं. इंटर्नशिप में छात्र को कॉलेज का ज्ञान अपने वर्क प्लेस पे लगाना होता है और कम्पनी से भी बाकि कुछ सीखना होता है.

कार्य शोध, आभासी अनुसंधान (स्नातक) या शोध प्रबंध

इसमें छात्र को आखिरी वर्ष में एक कम्पनी को चुन के उसमे कोई खोज करनी होती है और उसके लिए उसे एक पर्टिकुलर टॉपिक चुनना होता है और उसपे अपनी खोज करनी होती है. इसमें कम्पनी का रोल ये होता है की वो अपने इंटर्न को उसकी खोज के अनुसार सभी प्रकार की सुविधाएँ मुहैया कराती है. और उसकी ज्ञान को और अधिक तेज़ करती है. और बाद में वही खोज की रिपोर्ट अपने कॉलेज में प्रेजेंटेशन के दौरान छात्र को पेश करनी होती है.

अनपेड इंटर्नशिप

अनपेड इंटर्नशिप में कम्पनी इंटर्न को पे नहीं करती। ये ज्यादातर केवल सीखने में मदद करती हैं और यहाँ से आपको आपके काम के लिए पैसे नहीं दिए जाते हैं.

पर्सिअली पेड इंटर्नशिप

एक प्रकार की इंटर्नशिप है जिसमे इंटर्न को पे किया जाता है लेकिन एक स्टिपेन्ड की तरह. स्टिपेन्ड एक प्रकार की धनराशि होती है जो एक निश्चित समय पे इंटर्न को दी जाती है. जैसे की एम्प्लॉय को सैलरी दी जाती है किसी एक फिक्स्ड तारीख पे.

वर्चुअल इंटर्नशिप

भी एक प्रकार की इंटर्नशिप है जिसमे कोई भी छात्र को कम्पनी या कोई भी आर्गेनाइजेशन जाये बिना बाहर से ही वर्क एक्सपीरियंस गेन करता है. जैसे की फ़ोन से, लैपटॉप से, कंप्यूटर से. इसमें किसी को भी ऑफिस में फिजिकली न प्रेजेंट होते हुए भी उसका काम फ़ोन या फिर कंप्यूटर से करना वर्चुअल इंटर्नशिप कहलाता है.

भारत में पिछले कुछ वर्षों में स्कूल इंटर्नशिप पाठ्यक्रमों की अवधारणा में एक आदर्श बदलाव देखा गया है, अभ्यास-शिक्षण की पूर्व शर्त में एक पूर्व-निर्दिष्ट का शिक्षण शामिल था। एक छात्र-शिक्षक

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

द्वारा शिक्षण या विधियों के विषयों के रूप में दिए गए विषयों में पाठों की संख्या। एनसीटीई विनियम, 2009 ने अभ्यास-शिक्षण के दायरे को विस्तृत करने का प्रयास किया: छात्र-शिक्षकों को स्कूल की सभी गतिविधियों और कार्यक्रमों का अनुभव प्रदान करने के महत्व पर बल देते हुए एनसीटीई विनियम, 2014 ने आगे निर्धारित किया है की लंबी अवधि निर्धारित करके 'फील्ड एंगेजमेंट' के घटक को मजबूत करना प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों जैसे डी.ई.एल.एड. में इसके लिए सप्ताह, B.El.Ed, B.Ed, B.A.B.Ed., और B.Sc.B.Ed। और बी.एड.-एम.एड. 20 . का 'फील्ड एंगेजमेंट' सप्ताह को आगे दो भागों में विभाजित किया गया है जिसमें 4 सप्ताह और 16 सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।
दो वर्षीय कार्यक्रमों के पहले और दूसरे वर्ष में, और दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष में चार वर्षीय कार्यक्रमों का वर्ष। 16 सप्ताह की अवधि के जुड़ाव को आगे में विभाजित किया गया है स्कूल के अलावा अन्य क्षेत्र के साथ 14 सप्ताह की स्कूल इंटर्नशिप और 2 सप्ताह का अनुबंध (यानी सामुदायिक जुड़ाव)। इसके अलावा, कुल इंटर्नशिप समय को दो प्रकारों के बीच विभाजित किया जाना है स्कूलों की 80% और 20% की दर से।

एनसीटीई की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

1. इंटर्नशिप नीति तैयार करना और अधिसूचित करना (पहले से ही विनियम 2014 में दिया गया है)।
2. शिक्षक शिक्षा संकाय, स्कूल के प्रधानाध्यापक और छात्र शिक्षकों के उपयोग के लिए इंटर्नशिप हैंडबुक विकसित करना।
3. हैंडबुक में इंटर्नशिप कार्यों और मूल्यांकन ढांचे को विस्तृत करें।

राज्य शिक्षा विभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

राज्य स्तर

1. राज्य में टीईआई का डेटाबेस बनाए रखना।
2. प्रति 100 छात्र-शिक्षकों पर 10 स्कूलों की दर से इंटर्नशिप/लैब स्कूलों की आवश्यकता को पूरा करें (5 प्रति 50 छात्र-शिक्षक)।
3. राज्य की इंटर्नशिप नीति तैयार करना और जिला शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी करना
4. इंटर्नशिप स्कूलों की पहचान और निगरानी से संबंधित प्राधिकरण।
5. जिलों से प्राप्त निगरानी रिपोर्ट संकलित करें और समेकित रिपोर्ट एनसीटीई को अग्रेषित करें।
6. जिला स्तर संबद्ध निकायों के परामर्श से इंटर्नशिप कैलेंडर तैयार करें।
7. जिले में टीईआई को स्कूल आवंटित करें।
8. समय-समय पर इंटर्नशिप की निगरानी करें और राज्य मुख्यालय को रिपोर्ट भेजें।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

संबद्ध निकाय की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

1. राज्य शिक्षा विभाग के परामर्श से स्कूल इंटर्नशिप का कैलेंडर तैयार करें।
2. इंटर्नशिप घटक के लिए मूल्यांकन की योजना विकसित, अधिसूचित और प्रसारित करना।
3. छात्र-शिक्षकों के आकलन के लिए टीईआई और इंटर्नशिप स्कूलों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं का सुझाव दें।
4. टीईआई (डीईओ के साथ) और इंटर्नशिप की आवधिक निगरानी करना और समेकित रिपोर्ट एनसीटीई को भेजना।

शिक्षक शिक्षा संस्थान की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

1. इंटर्नशिप स्कूलों को इंटर्नशिप हैंडबुक प्रदान करें।
2. स्कूल के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के साथ अभिविन्यास-सह-परामर्श बैठकें आयोजित करना।
3. मेंटर के सहयोग से अतिरिक्त गतिविधियों के लिए अनुपूरक सामग्री विकसित करना।
4. मेंटर शिक्षकों के साथ पाक्षिक समीक्षा बैठकें आयोजित करें।
5. टीईआई में नियमित अंतराल पर छात्र-अध्यापकों के साथ अनुवर्ती बैठकें करें।
6. अभ्यास शिक्षण के अवलोकन सहित इंटर्नशिप के कार्यान्वयन की निगरानी करना।
7. स्कूल मेंटर-टीचर्स के सहयोग से, छात्र शिक्षकों के इंटर्नशिप प्रदर्शन का आकलन करें

इंटर्नशिप / लैब स्कूल की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

1. टीईआई के साथ जुड़ने के लिए योग्य और पर्याप्त रूप से प्रेरित शिक्षकों की पहचान करें।
2. टीईआई में अभिविन्यास बैठकों में भाग लेने के लिए संरक्षक-शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करें।
3. छात्र-अध्यापकों को सभी स्कूल सुविधाएं उपलब्ध कराएं जैसे पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल के मैदान आदि
4. स्कूल छात्र-अध्यापकों को सभी गतिविधियों में भाग लेने और योगदान करने की अनुमति दें जैसे स्कूल असेंबली, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, पीटीए मीटिंग, खेल, इंटर-हाउस प्रतियोगिताएं, आदि, और छात्र-शिक्षकों द्वारा विषय अभ्यास शिक्षण में मार्गदर्शन।
5. छात्रों के प्रदर्शन के मूल्यांकन में भाग लें।
6. छात्र-शिक्षकों की समस्याओं और कठिनाइयों का तत्काल समाधान करें।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

इंटर्नशिप के दौरान छात्र शिक्षकों के कार्य

इंटर्नशिप के दौरान, छात्र-शिक्षकों को संबंधित विभिन्न गतिविधियों को करने की आवश्यकता होती है कक्षा शिक्षण, कक्षा प्रबंधन, और स्कूल-आधारित के संगठन के लिए और शिक्षण के अलावा समुदाय आधारित गतिविधियाँ। तथापि, गतिविधियों को करने के लिए, छात्र-शिक्षकों को समझ, दक्षताओं, और कौशल के प्रदर्शनों की सूची विकसित करने की आवश्यकता होती है । उन्हें इंटर्नशिप के पहले भाग में कुछ गतिविधियाँ करनी होती हैं और कुछ अन्य दूसरे भाग में। कुछ ऐसी गतिविधियों के सुझाव इस प्रकार है:-

1. इंटर्नशिप स्कूल और आसपास के समुदाय को समझना।
2. स्कूल पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण।
3. नियमित शिक्षकों के कक्षा शिक्षण का अवलोकन करना।
4. सहकर्मी छात्र-शिक्षकों के कक्षा शिक्षण का अवलोकन।
5. इंटर्नशिप स्कूल के केस स्टडी की तैयारी और अभिनव गतिविधियों कि स्कूल करता है।
6. पाठ योजनाएँ और इकाई योजनाएँ तैयार करना।
7. वर्तमान स्कूल में पढ़ाए जा रहे दो विषयों में निर्धारित पाठ्यक्रम की इकाइयों को पढ़ाना ।
8. एक स्थानापन्न शिक्षक के रूप में शिक्षण।
9. शिक्षण-अधिगम संसाधनों को जुटाना और उनका विकास करना।
10. एक प्रश्न पत्र और अन्य मूल्यांकन उपकरण तैयार करना।
11. नैदानिक परीक्षणों की तैयारी और उपचारात्मक शिक्षण का संगठन।
12. एक बच्चे का केस स्टडी करना।
13. स्कूली शिक्षा के कम से कम एक समस्या क्षेत्र पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना शुरू करना।
14. सामुदायिक कार्य, सामुदायिक सर्वेक्षण आदि।
15. दिन-प्रतिदिन की घटनाओं को रिकॉर्ड करने के लिए एक प्रतिबिंबित डायरी या पत्रिका का रखरखाव और उस पर प्रतिबिंब।
16. एक चयनित विषय पर एक टर्म पेपर लिखना।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

निष्कर्ष

देश में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का पुनर्गठन किया गया है । इसकी गुणवत्ता बढ़ाने और इस तरह सृजन करने के उद्देश्य से डिजाइन और कार्यान्वित किया गया है ताकि गुणवत्ता वाले शिक्षक तैयार किए जा सकें। लेकिन क्षेत्र की वास्तविकताएं इतनी आशावादी नहीं हैं और कुछ अलग ही संकेत देती हैं। भारत में शिक्षक शिक्षा के पुनर्गठन के वांछित फल प्राप्त करने के लिए कार्यों के अधिक सुविचारित कार्यक्रमों की आवश्यकता है जोकि अधिक आलोचनात्मक होना चाहिए और शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध हो।

Reference

National Council for Teacher Education. (2016). School Internship: Framework and Guidelines. New Delhi: NCTE.

www.livehindustan.com/news/article

www.wikipedia.com.

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language